

केदारनाथ मंदिर

चर्चा में क्यों?

26 फरवरी 2025 को श्री [बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति](#) ने घोषणा की कि मंदिर के द्वार 2 मई 2025 को खुलेंगे।

मुख्य बंदि

- तीरथ स्थलों के लिये अंतिम तिथियाँ:
 - केदारनाथ मंदिर के कपाट खुलने की घोषणा के साथ ही [गढ़वाल हिमालय](#) के सभी चार पवतिर स्थलों के लिये कपाट खुलने की तिथियाँ तय हो गई हैं।
 - बद्रीनाथ धाम के कपाट 4 मई 2025 को खुलेंगे।
 - गंगोत्री और यमुनोत्री धाम 30 अप्रैल 2025 को अक्षय तृतीया के अवसर पर खुलेंगे।
 - ये चार स्थल मलिकर छोटा [चार धाम](#) का निर्माण करते हैं, जो एक महत्त्वपूर्ण हद्वि तीरथस्थल है।
- केदारनाथ मंदिर खोलने पर नरिणय:
 - धार्मिक गुरुओं और वेदपाठियों ने [महाशिवरात्रि](#) पर केदारनाथ के कपाट खुलने का शुभ समय और तिथि निर्धारित की।
 - यह नरिणय बाबा केदार के शीतकालीन नवासि स्थान उखीमठ स्थिति [ओंकारेश्वर मंदिर](#) में पूजा-अरचना के बाद लिया गया।

चार धाम यात्रा

- यमुनोत्री धाम:
 - स्थान: उत्तरकाशी ज़िला
 - देवी यमुना को समर्पति।
 - यमुना नदी भारत में गंगा नदी के बाद दूसरी सबसे पवतिर नदी है।
- गंगोत्री धाम:
 - स्थान: उत्तरकाशी ज़िला
 - समर्पति: देवी गंगा को।
 - सभी भारतीय नदियों में सबसे पवतिर मानी जाती है।
- केदारनाथ धाम:
 - स्थान: रुद्रप्रयाग ज़िला
 - भगवान शवि को समर्पति।
 - मंदाकनी नदी के तट पर स्थिति है।
 - भारत में स्थिति [12 ज्योतिरलिंगों](#) (भगवान शवि के दविय स्वरूप) में से एक।
- बद्रीनाथ धाम:
 - स्थान: चमोली ज़िला।
 - पवतिर बद्रीनारायण मंदिर का घर।
 - भगवान वशिणु को समर्पति।
 - वैषणवों के लिये पवतिर तीरथस्थलों में से एक।

